वर्ष 1 - अंक 78
सोमवार 17 फरवरी 2025- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

यातायात बाधित करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई

इंदौर। इंदौर में यातायात सुधार के लिए कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में अभियान चलाया जा रहा है। सड़कों, फुटपाथ आदि पर सामग्री रख अथवा अतिक्रमण कर यातायात बाधित करने वालों के विरूद्ध इस अभियान के तहत यातायात को सुगम बनाने के लिये जिला प्रशासन, नगर निगम, यातायात पुलिस आदि अमले के संयुक्त दल गठित किये है। इन दलों द्वारा उक्त कार्रवाई की जा रही है।

नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, नगर निगम, यातायात तथा पुलिस बल एवं निगम की रिमूवल टीम द्वारा यातायात को सुगम बनाने हेतु झोन क्रमांक 7 के अंतर्गत स्कीम नम्बर-54 पंचामृत से मेघदूत गार्डन के सामने क्षेत्र तक संयुक्त कार्रवाई की गई। इसके तहत 10 से 15 फुटपाथ के अतिक्रमण व टीन शेड हटाये गये। साथ ही 4 ठेले भी जप्त किए गए। उक्त कार्यवाही में एसडीएम श्रीमती कल्याणी पांडे एवं जोनल अधिकारी श्री अभिषेक सिंह आदि उपस्थित थे। रिमूवल की टीम व यातायात बल द्वारा यातायात को सुचारू रूप से व्यवस्थित किया गया। उक्त कार्यवाही में दो हजार रुपये की चलानी कार्यवाही भी की गई।

कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर में

बदमाश सलमान लाला के संपर्क में मंदसौर का कपड़ा व्यापारी

नागदा पुलिस की गिरफ्त में आरोपी कई महत्व पूर्ण दस्तावेज बरामद

रणजीत टाइम्स प्रतिनिधि

पुलिस थाना नागदा के द्वारा अभी कुछ दिनों पहले नागदा के कुख्यात आरोपी सलमान लाला को नागदा पुलिस ने गिरफ्तार किया था जिसमें नागदा पुलिस और उज्जैन पुलिस की रिमांड पर है और पूछताछ में कई अहम खुलासे भी हो रहे है इसको लेकर आज उज्जैन ग्रामीण एडिशनल एसपी नीलेश भार्गव द्वारा नागदा थाने में प्रेस कांफ्रेंस की गई जिसमें भार्गव ने पत्रकारों से बातचीत में बताया गया की सलमान ने फरारी के दौरान जावरा ,मंदसौर ,देवल जी राजस्थान सहित कई लोगों के संपर्क में था और फरारी के दौरान कई लोगों ने इसकी मदद भी की थी तथा दुबई में प्रापर्टी भी इसके द्वारा खरीदी गई इसी क्रम को पुलिस द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही थी इसी बिच पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की इसी केस से कनेक्टेड मंदसौर के एक बड़े हवाला कारोबारी जो इस अपराध में शामिल है और इस कैस से रिलेटिड कई महत्व पूर्ण दस्तावेज लेकर निकलने वाला है के संबंध में नागदा थाना ने अपनी टीम को भेज कर घेराबंदी शुरू कर दी और आरोपी को पकड़ लिया जब आरोपी से सख्ती से पूछताछ की की गई तो उसने अपना नाम प्रमोद ककरानी बताया जो कि जैन कॉलोनी मंदसौर का निवासी है आरोपी के पास से काले रंग का एक बैग भी पुलिस ने बरामद किया है जिसमें सलमान के दुबई की प्रापर्टी कीमत पांच करोड़ चवालीस लाख सित्यासी हजार एक सो साठ साथ ही सलमान के पासपोर्ट संबंधित और एक दस का नोट जो की आधा फटा हुआ था टुकड़ा भी मिला आरोपी से और पूछताछ में उसने शाहरुख खान का नाम भी बताया है जिसने करीब दो करोड़ रूपये हवाला के जरिए उसे दुबई पहुंचाने की बात भी स्वीकार की है।

सेवा और समर्पण की सर्वोपरि सीख:महाकुम्भ

हिन्दू परंपरा की चेतना में गहराई से समाया तीर्थ राज प्रयाग आस्था के अनुष्ठान और ईश्वर की खोज के साथ मौन सेवा और समर्पण का सर्वोपरि उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। प्रयाग में सन्तों के लगभग हजार शिविर लगे हुए हैं। भव्य शिविर! कई सौ लोगों के ठहरने लायक, भोजन आवास की अच्छी सुविधा के साथ... कुछ छोटे शिविर हैं, कुछ बड़े, कुछ बहुत बड़े... सबको जोड़ लें तो लाखों लोगों को भोजन आवास की सुविधा मिली हुई है। इन सभी शिविरों में अन्नक्षेत्र चलते हैं। निःशुल्क! अच्छा और स्वादिष्ट भोजन यहाँ उपलब्ध कराया जा रहा है । सारे शिविरों में प्रतिदिन प्रसाद पाने वालों की संख्या जोड़ लें तो कई लाख में जाएगी। यह मेले में सन्तों की ओर से सेवा है। बिना किसी आडम्बर प्रचार दिखावे या हो-हल्ला के, बिना पब्लिसिटी के यह सेवा चुपचाप चल रही है। ऐसा नहीं कि सारे शिविर संतों के ही हों। कथावाचकों के, धार्मिक संगठनों के, संस्थाओं के शिविर भी हैं ।इन्हें चलाने वाले वैरागी भी हैं, गृहस्थ भी। मेला शुरू होने के दो महीने पहले से तैयारियों में लगे हैं वे लोग! और पूरे मेले के लिए जैसे वहीं बस ही गए हैं। जिस भीड़ में हमारे आपके लिए पाँच किलोमीटर चलना कठिन हो रहा है, उसी भीड़ में वे दस किलोमीटर चल कर दूध लाते हैं कि लोगों को चाय पिला सकें। उसी भीड़ और जाम में घण्टों

फँस कर वे हरी सब्जी लाते हैं ताकि तीर्थ यात्रियों को प्रसाद उपलब्ध करा सकें। इसके बाद वे रात को तीन बजे तक जागते भी हैं क्योंकि रात बिरात पहुँचने वाले परिचितों के लिए व्यवस्था भी बनानी है, भोजन भी कराना है। इनके खर्च की सोच कर हम जैसे सामान्य गृहस्थों का होश उड़ जाता है। विचलित हो कर पूछ बैठते हैं कि - इतना पैसा कहाँ से आया होगा रे? और फिर अपने मन की कलुषता को कालिख से ही पोंछते हुए उत्तर भी सोच लेते हैं- "अरे जरूर किसी बड़े सेठ साहूकार नेता मंत्री से लेते होंगे ये लोग! वरना इतना धन कहाँ से आएगा भला!" क्या कहें, अपने बड़ों पर अविश्वास करने की लत जो लग गयी है हमें! परमार्थ की जगह स्वार्थ ही स्वार्थ देखा है हमने तो हर जगह । परंतु सत्य यह है कि छोटे बड़े अनेक शिविरों के व्यवस्थापक लगभग नित्य ही आग्रह करते हुए देखे जाते हैं यहाँ तक कि अपने वॉट्सएप फेसबुक प्रोफाइल से लिखते हैं कि "आइये! हमारे शिविर में स्थान कम हो सकता है, पर हृदय में बहुत स्थान है। रहिये, प्रसाद पाइए, गङ्गा नहाइये..."

यही अधिकांश शिविरों, संघठनों, सन्तों का स्वर है, यही सनातन का मूल स्वर है। सभी अपने सामर्थ्य से अधिक सेवा कर रहे हैं। हाथ जोड़े, सर झुकाए... कहीं लीक से हट कर अनुपम उदाहरण भी मिल जाएँगे जैसे ट्रैफिक जाम में फँसे तीर्थ यात्रियों को स्थानीय शहरी व ग्रामीण लोग सामर्थ्य के अनुसार सुविधा देने में जुटे हैं और तो और घर के विवाह समारोह में बने हुए भोजन और पानी के टैंकर को तीर्थ यात्रियों की सेवा में प्रस्तुत करने वाले दिलदार गृहस्थ भी देखे गए हैं। ये पुण्य की बहती गंगा में हाथ धोने वाले सच्चे समाज सेवी हैं। यह भी सच है कि करोड़ों की भीड़ में सबके लिए व्यवस्था नहीं हो सकती, पर जितनी हो सकती है उतनी व्यवस्था हुई है। यह सुखद है। तमाम मीडियाई नकारात्मकता के बाद भी ऐसी हर तीर्थ यात्रा सन्तों के प्रति श्रद्धा बढ़ा देती है। धर्म पर भरोसा बढ़ जाता है, अपनी धार्मिक व्यवस्था पर विश्वास बढ़ जाता है। संसार चाहे तो बहुत कुछ सीख सकता है सनातन व्यवस्था से। सेवा चुपचाप कैसे की जाती है, यह तो जरूर ही सीख लेना चाहिये। क्रोसीन बांट कर भारत का सर्वोच्च सम्मान लेने वाले तो जरूर ही सीखें।

डॉ आरती दुबे
साहित्यकार एवं शिक्षाविद्

बेटे की पोस्ट पर पिता को जाना पड़ा जेल

बेटे ने पिता के मोबाइल से वीडियो बनाकर डाल दिए, सोशल मीडिया पर धमकी भरे शब्दों का किया था प्रयोग

रणजीत टाइम्स (ऋषि गोस्वामी)

सोशल मीडिया पर डाली गई आपत्तिजनक पोस्ट के कारण कोलारस कस्बे में एक पिता को जेल की हवा खानी पड़ी। बेटे द्वारा बनाए गए वीडियो ब्लॉग में न सिर्फ अश्लील भाषा और धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, बल्कि समाज में अशांति फैलाने वाली बातें भी कही गईं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए पिता को गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, कोलारस कस्बे में अनुज भदौरिया, आदित्य यादव और राज धाकड़ नामक तीन युवकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया था, जिसमें अमर्यादित भाषा का उपयोग किया गया था। इतना ही नहीं, इन युवकों ने कोलारस में रेड लाइट एरिया खोलने जैसी अनुचित बातें भी कहीं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद वार्ड 11, मानीपुरा के निवासियों ने भीम आर्मी और बहुजन समाज के

कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कोलारस थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपी। स्थानीय लोगों का आरोप था कि इन युवकों ने न केवल जातिसूचक टिप्पणियां कीं, बल्कि महिलाओं और बालिकाओं के संबंध में भी आपत्तिजनक बातें कही थीं।

शिकायत के बाद अनुज भदौरिया ने एक और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें उसने शिकायतकर्ताओं और वीडियो का विरोध करने वालों को धमकी दी। वीडियो में उसने कहा – "दब गया जो ठाकुर, कौन कहेगा रे!" इस बयान से इलाके में तनाव और बढ़ गया। पुलिस जांच में पता चला कि अनुज ने यह वीडियो अपने पिता देवेन्द्र भदौरिया के मोबाइल से बनाया और वायरल किया था। इस आधार पर पुलिस ने अनुज के पिता के खिलाफ शांति भंग की धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें एसडीएम कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है।

उपयंत्री ने सरपंच सचिव के साथ मिलकर किया लाखो रुपये का भ्रष्टाचार, सीईओ ने नहीं की कार्यवाही

बदरवास जनपद की ग्राम पंचायत चदौरिया में पूर्व के बने दो डग पॉइंटो पर ही नवीन तालाब बना दिया

रणजीत टाइम्स (ऋषि गोस्वामी)

शिवपुरी। जिले की बदरवास जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत चदौरिया में उपयंत्री रमेश कुशवाह ने सरपंच व प्रभारी सचिव से मिलकर लाखो रुपये का भ्रष्टाचार किया है इस मामले की जानकारी कुछ दिन पहले बदरवास सीईओ अरविन्द्र शर्मा को दी गई थी सीईओ ने कार्यवाही का भी आश्वासन दिया था लेकिन इसके बाद में करीब 8 दिन निकल गए फिर भी इस मामले में शर्मा के द्धारा कोई कार्यवाही नही की गई है। यहां उपयंत्री ने सरपंच सचिव से सांठ गांठ कर पहले से बने डग पॉइंटो को लम्बा चौडा कर तालाब बना दिया है और उसके लाखो रुपये भी निकाल लिए गए है।

दरअसल बदरवास जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत चदौरिया में नवीन तालाब निर्माण कार्य के नाम पर लाखो रुपये का भ्रष्टाचार सामने आया है यहां पहले से बने हुए दो डग पॉइटो के स्थान पर अब नबीन तालाब निर्माण कार्य कराया गया है, नियमो को ताक पर रखकर उपयंत्री रमेश कुमार कुशवाह ने बिना मूल्यांकन के ही तालाब निर्माण के मस्टर बनाकर कार्यो का भुगतान भी करा दिया है जिसमें विभाग से लाखो रुपये की राशि का भुगतान हुआ है कोलारस बदरवास की ग्राम पंचायतो में पहले भी निर्माण कार्यो में अनियमित्तायों के चलते भ्रष्टाचार हो चुका है इसके बावजूद भी अधिकारी लगातर अभी भी ग्राम पंचायतो में होने वाले कार्यो में अनियमित्ताएं बरत रहे है। जानकारी के अनुसार बरवास जनपद पंचायत की चदौरिया ग्राम पंचायत के लोगो ने मंगलवार को एक जनसुनवाई में कलेक्टर से शिकायत की जिसमें बताया गया कि ग्राम पंचायत में बनाए गए डग पॉइटो को लम्बा चौड़ा कर नवीन तालाब निर्माण कार्य दर्शा दिया है जिसका बिना मूल्याकन के भुगतान कर दिया है इसके बाद जब मौके पर जाकर देखा तो पता चला एक पूर्व सरपंच के डग पॉइट व एक वतर्मान सरपंच के डग पॉइट को खुद ही वतर्मान सरपंच ने उपयंत्री की मिली भगत से जेसीबी

की मदद से लम्बा चौडा कर तालाब बना दिया है।

पूर्व सरपंच के डग पॉइंट को बनाया तालाब

ग्राम पंचायत चदौरिया में पूर्व सरपंच शिवनन्दन सिंह यादव ने वर्ष 2021-2022 में सेमपुरा के रास्ते पर डग पॉइट का निर्माण कराया था लेकिन अब वर्तमान सरपंच कृपान सिंह यादव व प्रभारी सचिव,रोजगार सहायक मोनू यादव ने उपयंत्री रमेश कुमार यादव से मिलकर उसी स्थान पर डग पॉइट को चौडा और लम्बा कर नवीन तालाब निर्माण कार्य करा दिया और कागजो में नबीन तालाब निर्माण कार्य दर्शाकर उपयंत्री रमेश कुमार कुशवाह ने मस्टर बनाकर विभाग से भुगतान भी करवा दिया है। बताया जा रहा है कि उपयंत्री की भी मिली भगत के चलते बिना जांच पड़ताल के व बिना मूल्यांकन के मस्टर बनाकर विभाग से भुगतान करवा दिया है।

कुछ माह पहले बने डग पाइंट पर भी बनाया तालाब

ग्राम पंचायत चदौरिया में ही वर्तमान सरपंच कृपाल सिंह यादव ने टोरिया के पास में वर्ष 2024 के अप्रैल-मार्च के माह में एक डग पॉइट का निर्माण कराया था लेकिन वर्तमान सरपंच और प्रभारी सचिव, रोजगार सहायक ने उस पर भी भ्रष्टाचार की लखीर खींछ दी,और उस डग पॉइट को लम्बा चौडा कर उसे भी नवीन तालाब का रूप दे दिया और उपयंत्री रमेश कुमार कुशवाह ने उसे भी कागजो में नवीन तालाब के रुप में दर्शा दिया और मस्टर डाल दिए बताया जा रहा है कि तालाब निर्माण कार्य के 24.89 लाख रुपए भी निकाल लिए है।

इनका कहना है

चदौरिया गांव में दो डग पॉइंटो का निर्माण हुआ था तालाब का भी निर्माण कार्य चल रहा है अब डग पॉइंटो पर तालाब कैसे बना दिए इसके संबध में आप उपयंत्री से बात कर ले वही मूल्यांकन कर मस्टर लगाते है।

मोनू यादव प्रभारी सचिव ग्राम चदौरिया

इनका कहना है

चदौरिया में डग पॉइंट बने है वह तो अलग बने है हमने तालाब बनाया है तो वह अलग बना है कैसे बना है आप सरपंच से बात करे।

रमेश कुमार कुशवाह उपयंत्री बदरवास

आपने कहा

अभी में एक शादी में आया हूँ मैने कार्यवाही के लिए बोला है मै सोमवार को आप से बात करता हूँ।

अरविन्द्र शर्मा सीईओ बदरवास

शिवपुरी में 4 लाख की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार: पोहरी के आरोपी पर पहले से दर्ज हैं 8 मामले; 40 ग्राम स्मैक जब्त की

रणजीत टाइम्स

शिवपुरी में पुलिस ने 4 लाख रुपए कीमत की स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। देहात थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि फॉरेस्ट चौकी के पास लालू की कोठी के कच्चे रोड पर एक व्यक्ति स्मैक बेचने की फिराक में खड़ा है।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पोहरी के जाखनौद गांव निवासी 36 वर्षीय ब्रिजेश गिर गोस्वामी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से 40 ग्राम स्मैक बरामद की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नेश सिंह यादव के अनुसार, आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी पर 8 मामले दर्ज, 7 चोरी के आरोपी के खिलाफ पहले से ही 8 मामले दर्ज हैं, जिनमें 7 चोरी के हैं। पिछले कुछ महीनों में देहात पुलिस ने तीन स्मैक तस्करों को गिरफ्तार कर 124 ग्राम स्मैक बरामद की है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी मादक पदार्थ कहां से लाता था और किन लोगों तक इसकी आपूर्ति करता था।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में केंद्रीय बजट एक महत्वपूर्ण कदमः प्रद्युम्न सिंह तोमर

केंद्रीय बजट 2025-26 को लेकर पत्रकार वार्ता आयोजित

रणजीत टाइम्स (ऋषि गोस्वामी)

शिवपुरी। केंद्रीय बजट 2025-26 1 फरवरी 2025 को संसद में पेश कर दिया गया है। यह लगातार 8वीं बार है जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया। बजट 2025-26 में कर नीतियों, खर्च की प्राथमिकताओं और सब्सिडी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जोर दिया गया है। 12 लाख रुपए तक की आय कर-मुक्त होगी। सेक्शन 87A के तहत छूट पहले 25,000 थी, अब इसे बढ़ाकर 60,000 कर दिया गया है। यह बजट विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, और शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह बात मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने होटल पी एस में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव, नरेंद्र बिरथरे, हरवीर रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, महामंत्री सोनू बिरथरे, गगन खटीक, धैर्यवर्धन शर्मा, पवन जैन, सीमा शिवहरे, मीडिया प्रभारी विकास दंडोतिया मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा 74% से बढ़ाकर 100% की जाएगी। मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में अगले 5 वर्षों में 75000 और सीटें बढ़ाने के लक्ष्य की दिशा में

अगले वर्ष 10000 अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएंगी। सरकार अगले 3 वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित करने की सुविधा प्रदान करेगी। वर्ष 2025-26 में 200 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। एक लाख करोड़ रुपए के शहरी चुनौती कोष की घोषणा की है जिसे 2025-26 के लिए 10 हजार करोड़ रुपए के आवंटन के प्रस्ताव के साथ वृद्धि केंद्रों के रूप में शहर शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास और जल एवं स्वच्छता के लिए प्रस्ताव लागू करने के लिए उपयोग किया जाएगा।

जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव ने कहा कि यह बजट सर्वहिताय बजट है जिसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि जिलों के विकास के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना चलाई जाएगी। यह कार्यक्रम राज्यों के साथ साझेदारी में शुरू किया जाएगा, जिसमें कम उत्पादकता, मध्यम फसल सघनता और औसत से कम ऋण मापदंडों वाले 100 जिलों को शामिल किया जाएगा, जिससे 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा। पूर्व विधायक नरेंद्र बिरथरे ने कहा कि बजट में अगले 10 वर्ष में 120 नए गंतव्यों और 4 करोड़ यात्रियों को लाने-ले-जाने के लिए क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने की संशोधित उड़ान स्कीम की घोषणा की है। 500 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय से शिक्षा हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता संबंधी एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। मेक फॉर इंडिया मेक फॉर द वर्ल्ड" विनिर्माण के लिए हमारे युवाओं को आवश्यक कौशलों से सुसज्जित करने के लिए वैश्विक विशेषज्ञता और भागीदारी के साथ 5 राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। जिला उपाध्यक्ष पवन जैन ने कहा कि भारत नेट परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सरकारी माध्यमिक स्कूलों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत सूक्ष्म उद्यमों के लिए पहले वर्ष में 5 लाख रुपये तक की सीमा वाले 10 लाख कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे।

वरिष्ठ भाजपा नेता धैर्यवर्धन शर्मा ने कहा कि स्टार्ट-अप के लिए 10,000 करोड़ रुपए के नए अंशदान के साथ निधियों के नए कोष की स्थापना की जाएगी। 5 लाख महिलाओं अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के पहली बार के उद्यमियों के लिए अगले 5 वर्षों के दौरान 2 करोड़ रुपए तक का सावधि ऋण उपलब्ध कराने की एक नई योजना की घोषणा बजट में की गई है।

महाकुंभ में 20 हजार से अधिक खोए हुए श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाया डिजिटल खोया-पाया केंद्रों ने

महाकुंभ नगर । महाकुंभ में डिजिटल खोया-पाया केंद्रों ने 20 हजार से अधिक खोए हुए श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाया । महाकुंभ अपने भव्य स्वरूप और 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व उपस्थिति के साथ ही ऐतिहासिक आयोजन बन चुका है। इस दिव्य आयोजन को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रदेश की योगी सरकार ने कई अनुकरणीय पहल की है। इस बार महाकुंभ में खोए हुए लोगों को शीघ्रता से उनके परिवारों से मिलाने के लिए योगी सरकार ने डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की स्थापना की है, जिससे अब तक 20 हजार से अधिक खोए हुए श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य किया गया है। 144 साल बाद पुण्य संयोग में आयोजित हो रहे इस बार के महाकुंभ के विराट मेले में अपनों से बिछड़े हुए कुल 20,144 लोगों को उनके परिवारों से मिलाने में योगी सरकार को सफलता मिली है। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। यही नहीं पुलिस ने देश के विभिन्न राज्यों और नेपाल से आए श्रद्धालुओं को उनके परिवारों से सफलतापूर्वक पुनर्मिलन कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या के दौरान (28, 29 और 30 जनवरी) को भीड़ का प्रबंधन करते हुए डिजिटल खोया-पाया केंद्रों ने खोए हुए सभी 8,725 लोगों को उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया है। इसी प्रकार मकर संक्रांति पर्व (13, 14 और 15 जनवरी) को खोए हुए 598 श्रद्धालु और बसंत पंचमी (2, 3 और 4 फरवरी) को 813 श्रद्धालुओं को डिजिटल खोया-पाया केंद्र की मदद से उनके परिजनों से मिलवाया गया। इसके अलावा अन्य स्नान पर्वों और सामान्य दिनों में खोए हुए 10 हजार से अधिक लोगों का भी उनके परिवारों के साथ पुनर्मिलन कराया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 7 दिसंबर 2024 को डिजिटल प्रणाली के जरिए खोया-पाया केंद्रों का शुभारंभ किया था। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन और मेला प्राधिकरण को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी श्रद्धालु को परेशानी न हो। इसी के तहत 10 डिजिटल खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए, जो संगम, झूसी, अरैल, फाफामऊ में सेक्टर 3, 4, 5, 8, 9, 21, 23, 24 और प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन के पास स्थित हैं। डिजिटल खोया-पाया केंद्रों में अत्याधुनिक एआई आधारित चेहरा पहचान प्रणाली, मशीन लर्निंग और बहुभाषीय समर्थन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इससे मेला क्षेत्र में बिछड़े हुए श्रद्धालुओं को तेजी से उनके परिवारों से मिलाया जा सका है। डिजिटल खोया-पाया केंद्रों में उत्तर प्रदेश पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों की अहम भूमिका रही। इसमें यूनिसेफ सहित कई गैर-सरकारी संगठनों ने भी सक्रिय योगदान दिया। मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों के तहत इन केंद्रों पर प्रतीक्षा कक्ष, चिकित्सा कक्ष, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, ताकि पुनर्मिलन प्रक्रिया के दौरान किसी भी व्यक्ति को असुविधा न हो। सीएम योगी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा और सुशासन का भी प्रतीक बने। इसी के तहत डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की स्थापना की गई है। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए श्रद्धालु नजदीकी डिजिटल खोया-पाया केंद्र से संपर्क कर सकते हैं या आधिकारिक हेल्पलाइन 1920 पर कॉल कर सकते हैं।

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ
और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर, आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278
आपका रणजीत टाइम्स
जनताकीआवाज

पुरूष प्रो लीग हॉकी में भारतीय टीम की हार, स्पेन ने 3-1 से हराया

भुवनेश्वर, एजेंसी

स्पेन ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक मैच में मिली हार का बदला चुकता करते हुए भारत को एफआईएच पुरूष प्रो लीग मैच में शनिवार को 3-1 से हरा दिया। सत्र के पहले प्रो लीग मैच में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। स्पेन के लिये बोर्जा लाकाले (28वां मिनट), इग्नाशियो कोबोस (38वां) और ब्रूनो अविला (56वां मिनट) ने गोल दागे । भारत के लिये एकमात्र गोल 25वें मिनट में सुखजीत सिंह ने किया।

पहला क्वार्टर एक दूसरे की ताकत को आजमाने का रहा। अभिषेक ने एक मौका ललित उपाध्याय के लिए बनाया, लेकिन इसके अलावा भारतीय टीम कोई हमला नहीं बोल सकी। दूसरी ओर भारतीय गोलकीपर कृशन बहादुर को भी पहले क्वार्टर में मेहनत नहीं करनी पड़ी क्योंकि स्पेनिश खिलाड़ियों के शॉट सटीक नहीं पड़े।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में गोलकीपर सूरज करकेरा को उतारा और उन्होंने आते ही स्पेन का एक गोल बचाया। सुखजीत ने 25वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा जिन्हें दाहिने फ्लैंक से जरमनप्रीत सिंह ने पास दिया था। वह पहले प्रयास में इसे ट्रैप करने में नाकाम रहे लेकिन तेजी से दमदार रिवर्स हिट पर स्पेनिश गोलकीपर को चकमा देकर गोल किया।

तीन मिनट बाद स्पेन ने बराबरी का गोल दागा। भारतीय टीम के कमजोर रक्षण का फायदा उठाते हुए तीसरे क्वार्टर में इग्नाशियो ने टीम को बढत दिला दी। भारत ने तीसरे और चौथे क्वार्टर में कई पेनल्टी कॉर्नर गंवाए। आखिरी सीटी बजने से चार मिनट पहले हरमनप्रीत की गलती से मिले पेनल्टी कॉर्नर पर ब्रूनो ने स्पेन के लिये तीसरा गोल दागा।

यशस्वी जायसवाल रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर

नागपुर - मुम्बई के लिए खेलने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल टखने की चोट के कारण सोमवार से विदर्भ के साथ शुरु हो वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर गए हैं। यशस्वी जायसवाल इस सप्ताहांत प्रशिक्षण के दौरान के बाएं टखने में चोट लग गई थी। वह अब राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) बेंगलुरू जाएंगे। मुम्बई टीम की ओर जायसवाल की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में लिये जाने के बारे में नहीं बताया गया हैं।

भारतीय टेस्ट टीम के नियमित सदस्य जायसवाल ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय में पर्दापण किया था। उन्हें विराट कोहली की जगह टीम में शामिल किया था। जायसवाल पहले भारत के शुरूआती चैंपियंस ट्रॉफी टीम में थे। लेकिन आखिर उनकी जगह पर वरूण चक्रवर्ती को टीम में शामिल कर लिया गया। दुबे और जायसवाल को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत के नॉन-ट्रैवलिंग रिजर्व में रखा गया हैं और जरूरत पड़ने पर वे दुबई की यात्रा कर सकते हैं।

इसके बाद जायसवाल मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी का सेमीफाइनल खेलने वाले थे। टीम में अजिंक्य रहाणे, सूर्यकुमार कुमार, शिवम दुबे और शार्दुल ठाकुर जैसे नामी खिलाड़ी है। उल्लेखनीय है कि कल होने वाले सेमीफाइनल में मुम्बई का मुकाबला विदर्भ से होगा।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल - केरल पर गुजरात का पलड़ा भारी

अहमदाबाद। पूर्व चैंपियन और मेजबान गुजरात अपने आक्रामक खेल और मजबूत बल्लेबाजी के कारण केरल के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

गुजरात 2016-17 का चैंपियन है लेकिन वह 2019-20 के सत्र के बाद पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने राजकोट में खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच में सौराष्ट्र को पारी और 98 रन से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। गुजरात की सेमीफाइनल तक की राह में उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों मनन हिंगराजिया, जयमीत पटेल और विकेटकीपर उर्विल पटेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उर्विल ने पिछले मैच में 140 रन बनाए थे जो उनके प्रथम श्रेणी करियर का पहला शतक था। जयमीत ने भी इस मैच में शतक लगाया था जिससे गुजरात ने अपनी पहली पारी में 511 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जयमीत ने इस सत्र में गुजरात की तरफ से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक 48.50 की औसत से 582 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। मनन भी 570 रन बनाकर जयमीत से ज्यादा पीछे नहीं हैं। उन्होंने भी अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है और उनके नाम पर दो शतक दर्ज हैं।

जहां तक सचिन बेबी की अगुवाई वाली केरल की टीम का सवाल है तो उसके लिए अभी तक का सफर काफी भावनात्मक रहा है। उसने क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर पर पहली पारी में एक रन की बढ़त हासिल करने के दम पर दूसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। क्वार्टर फाइनल में केरल के सामने 399 रन का चुनौती पूर्ण लक्ष्य था लेकिन उसके बल्लेबाजों ने अपने धैर्य और दृढ़ संकल्प का शानदार नमूना पेश करके मैच को ड्रॉ करा कर अपनी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया था।

विवादास्पद रन आउट से बवाल, मुंबई की हार के बाद एडवर्ड्स ने अंपायरिंग पर उठाए सवाल

वड़ोदरा-मुंबई इंडियंस की कोच चार्लोट एडवर्ड्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनकी टीम की आखिरी गेंद पर दो विकेट से हार में बड़ी भूमिका निभाने वाले विवादास्पद रन आउट फैसलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस तरह के निर्णय को समझना वास्तव में मुश्किल है जो मैच के अंतिम परिणाम को प्रभावित करते हैं। रन आउट के तीन विवादास्पद फैसले मुंबई इंडियंस के खिलाफ गए जिसका फायदा उठाकर दिल्ली जीत हासिल करने में सफल रही।

तीसरी अंपायर गायत्री वेणुगोपालन ने दिल्ली की तीन बल्लेबाजों राधा यादव, अरुंधति रेड्डी और शिखा पांडे को गिल्लियों की लाइट जलने के बावजूद नॉट आउट करार दिया। तीसरे अंपायर के इन फैसलों ने आखिर में मैच के परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुंबई की करीबी हार के बाद इंग्लैंड की दो बार की विश्व कप विजेता कप्तान एडवर्ड्स ने कहा, 'आपको काफी शांत रहना होगा।

जब अधिकतर फैसलों के लिए तीसरे अंपायर की मदद ली जाती है तो वास्तव में यह काफी मुश्किल होता है। तब मैच का परिणाम बड़ी स्क्रीन पर नजर आता है। उन्होंने कहा, 'इसे पचा पाना वास्तव में मुश्किल है लेकिन मैं लंबे समय से इस खेल से जुड़ी हूं और जानती हूं कि यह खेल का हिस्सा है। इसलिए हमें बस आगे बढ़ना है। हमारी निगाह मंगलवार को होने वाले मैच पर हैं। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी मैच की कमेंट्री करते हुए कहा था कि अरुंधति और राधा यादव के मामले में फैसला मुंबई के पक्ष में जाना चाहिए था।

चैंपियंस ट्रॉफी : टिम साउदी को न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दुबई । न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी को भरोसा है कि पाकिस्तान में हाल ही में समाप्त हुई त्रिकोणीय श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले उनके देश के कम अनुभवी तेज गेंदबाज चैंपियंस ट्रॉफी में भी अपनी इस फॉर्म को बरकरार रखेंगे। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले 36 वर्षीय साउदी ने न्यूजीलैंड की तरफ से तीनों प्रारूप में 776 विकेट लिए हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड को ट्रेंट बोल्ट की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी जबकि लॉकी फर्ग्यूसन का चोटिल होने के कारण खेलना संदिग्ध है। ऐसे में उसके तेज गेंदबाजी आक्रमण का दारोमदार विल ओरूर्के, जैकब डफी, नाथन स्मिथ और मैट हेनरी पर रहेगा।

साउदी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की विज्ञप्ति में कहा, 'मैं और बोल्ट इस समय आईसीसी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं इसलिए इस बार स्थिति थोड़ा भिन्न है लेकिन साथ ही यह उत्साह जनक भी है। इन प्रतियोगिताओं का हिस्सा बनना महत्वपूर्ण होता है और अब इन युवा खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी है और मैं उनके प्रदर्शन को लेकर काफी उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, 'जिस तरह से टीम ने प्रदर्शन किया है और विभिन्न खिलाड़ियों ने अलग-अलग अवसरों पर अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है वह शानदार है। यह टीम अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। साउदी ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी से पहले त्रिकोणीय श्रृंखला में खेलने से उन्हें फायदा मिलेगा। टीम ने टूर्नामेंट से पहले लय पकड़ ली है और वह परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल बिठा चुकी है जिसका फायदा उसे आगे मिलेगा।